पाठ- मिर्ज़ा नुकता

-कन्हैयालाल कपूर

दीर्घउत्तरीय प्रश्न- उत्तर

प्रश्न-1 प्रातः काल सैर को जाने वाले लोगों के विषय में मिर्ज़ा के क्या विचार थे?
उत्तर- मिर्ज़ा के अनुसार सुबह सवेरे उठना अव्वल दर्जे की मूर्खता है इसलिए प्रातः काल सैर को जाने वाले लोगों के विषय में मिर्ज़ा के यह विचार थे कि ये लोग अनिद्रा के रोग से ग्रस्त होते हैं। जब काफी **प्रयत्न** के बाद भी इन्हें नींद नहीं आती है तो उठकर सैर को चले जाते हैं।

प्रश्न-2 गर्मी के मौसम में प्रतिदिन स्नान करने के विषय में मिर्ज़ा नुकता क्या कहते थे?
उत्तर- गर्मी के मौसम में प्रतिदिन स्नान करने के विषय में मिर्ज़ा नुकता यह कहते थे कि स्नान एक निहायत अप्राकृतिक विधान है। वह नहाने की गणना निरर्थक क्रिया कांड में करते थे। उनके विचार से नहाना सभ्य मनुष्य की सबसे बड़ी कमज़ोरी है यदि इससे तौबा कर ली जाए तो समय के अतिरिक्त साबुन की भी बचत होगी।

प्रश्न -3 बरसात के मौसम के बारे में मिर्ज़ा ने क्या नुकता लगाया ?
उत्तर- बरसात के मौसम के बारे में मिर्ज़ा ने यह नुकता लगाया कि बरसात से अधिक वाहियात मौसम शायद ही कोई होगा। बाढ़े आती है तो इस मौसम में, हैज़ा फैलता है तो इस मौसम में, घर टपकता है तो इस मौसम में। इसे तो मौसम की बजाय ईश्वर का अभिशाप कहना उचित होगा।

प्रश्न- 4 ओलों के बीच खड़े होकर वे क्या साबित करना चाहते थे ?
उत्तर- ओलों के बीच खड़े होकर वे यह साबित करना चाहते थे कि ओले किसी का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। उनसे किसी को कुछ हानि नहीं होती ।ऐसा करके यथारीति वह लेखक की बात को गलत साबित करना चाहते थे और यह बताना चाहते थे कि वे जो कुछ भी कहते और सोचते हैं वही सच होता है।

प्रश्न-5 ऐसा क्यों कहा-

(क) जब उन्हें होश आया, तो हमें लगा जैसे हमारी मुलाकात एक नए मिर्जा से हुई है।
उत्तर- लेखक की बात को गलत साबित करने के लिए मिर्जा ओलों के बीच खड़े हो गए लेकिन जब ओलों की वजह से चकरा कर गिर गए, तब उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। होश में आने के बाद उन्होंने नुक्ता निकालने की आदत को छोड़ दिया।

(ख) विरोध इनको घुट्टी में मिला है।

उत्तर- इस पंक्ति में लेखक मिर्जा के व्यवहार के बारे में बात कर रहे है। जैसे दूध में चीनी मिल जाती है, उसी प्रकार दूसरों का विरोध करने की आदत उनके खून में मिली थी।

मौखिक प्रश्न-उत्तर

प्रश्न-1 मिर्ज़ा को नुकता की उपाधि क्यों मिली ?
उत्तर- मिर्ज़ा हमेशा दूसरों की बातों या कामों में नुकता निकालते थे इसलिए उनको नुकता की उपाधि मिली।

प्रश्न -2 नुक्ता पैदा करने का क्या अर्थ है ?
उत्तर- नुकता पैदा करने का अर्थ है कमियां या गलतियां निकालना।

प्रश्न-3 लेखक ने मिर्ज़ा नुकता से जान पहचान बढ़ाने की क्यों सोची?
उत्तर- मिर्ज़ा के अपने अभिमत (विचार) को प्रकट करने के ढंग से प्रभावित होकर लेखक ने उनसे जान पहचान बढ़ाने की सोची ।

प्रश्न-4 ओलों ने क्या चमत्कार दिखाया था?
उत्तर- ओलो ने मिर्ज़ा की नुकता निकालने की आदत को बदल दिया।

****